जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

11 नवम्बर, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा संकाय ने छात्र प्रेरण कार्यक्रम (स्टूडेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम) -2024 के अंतर्गत 'जेंडर सेंसिटाइजेशन' कार्यशाला आयोजित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा संकाय द्वारा छात्र प्रेरण कार्यक्रम-2024 अंतर्गत जेंडर सेंसिटाइजेशन कार्यशाला आयोजित की गई जिसका शीर्षक 'दीक्षारंभ' था। वर्ष 2024 बैच के नए नामांकित बैचलर ऑफ डेंटिस्ट्री के छात्रों के लिए तीन दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 5 से 7 नवंबर, 2024 तक किया गया । यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य जामिया मिल्लिया इस्लामिया में दंत चिकित्सा संकाय में छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत करना और उन्हें डेंटल सर्जन के रूप में उनकी भावी जिम्मेदारियों के लिए तैयार करना था। 'जेंडर सेंसिटाइजेशन' कार्यशाला का आयोजन गुरुवार, दिनांक 7 नवंबर, 2024 को संकाय के लाइब्रेरी हॉल में हाइब्रिड मोड में किया गया जिसमें बीडीएस के सभी छात्र, प्रशिक्षु और बाह्य लोग शामिल हुए।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के योजना विभाग अध्यक्ष प्रो. हिना जिया कार्यशाला के लिए रिसोर्स पर्सन थीं। दंत चिकित्सा संकाय की डीन प्रो केया सरकार और सत्र संचालक प्रो दीप इंदर ने प्रो. हिना जिया का स्वागत व सम्मान किया।

प्रो. जिया ने लैंगिकता संबंधी विभिन्न मुद्दों के बारे में बात की और लैंगिकता संबंधी संघर्षों में परामर्शदाताओं द्वारा भूमिका निवारण प्रणाली तथा सक्रिय हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और लैंगिकता के बावजूद कार्यस्थल पर व्यक्ति की स्वीकृति, आपसी सम्मान एवं समावेशिता को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए, उन्होंने संगठन के इष्टतम विकास हेतु उपरोक्त सभी के महत्व को रेखांकित किया। छात्रों की धारणाएँ अलग-अलग हो सकती हैं, इसके बारे में बताते हुए प्रो. जिया ने छात्रों को किसी भी प्रकार के उत्पीड़न अथवा उत्पीड़न के मामले में बिना किसी अपराध या शर्म की भावना से शिक्षकों, साथियों से सहायता लेने के लिए जागरूक किया।

वार्ता के उपरांत एक इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र हुआ। छात्रों और संकाय सदस्यों के अनेक प्रश्नों का प्रो. जिया ने सौहार्दपूर्ण ढंग से उत्तर दिया।

कार्यशाला में दंत चिकित्सा संकाय के प्रथम, द्वितीय, तृतीय, अंतिम वर्ष के छात्रों, प्रशिक्षुओं और बाह्य छात्रों सहित बी डी एस के 171 छात्रों ने भाग लिया। सत्र में कई संकाय सदस्य और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी भी शामिल हुए।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया